यादों के झरोखों से-मोहम्मद अजहरुद्दीन : कलाई के जादूगर से विवादों के खिलाड़ी तक

प्यार, तकरार और सियासी सफर की अनसुनी दास्तान

नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट के 90 के दशक में मोहम्मद अजहरुद्दीन जैसा रुतबा, कलाई का जादू और करिश्मा शायद ही किसी और कप्तान के पास रहा हो। एक बेहद साधारण और सीधे-साधे पृष्ठभूमि से निकलकर टेस्ट क्रिकेट की अपनी शुरुआती तीन पारियों में लगातार तीन शतक जड़कर अजहर ने पूरी दुनिया को अपना मुरीद बना लिया था। लेकिन उनकी जिंदगी सिर्फ क्रिकेट के रनों और कप्तानी के शबाब तक सीमित नहीं रही। अजहर की निजी जिंदगी प्यार, तकरार, रोमांस, तलाक और शादियों का एक ऐसा काकटेल रही, जिसने उन्हें मैदान से ज्यादा विवादों और सुर्खियों के केंद्र में रखा, जिससे उनके करियर पर भी गहरा असर पड़ा।

मोहम्मद अजहरुद्दीन का पहला प्यार कोई फिल्मी हस्ती नहीं, बल्कि उनके घर के पास रहने वाली बेहद खूबसूरत और सादगी पसंद लड़की नौरीन थीं। वर्ष 1987 में, जब अजहर देश के हरदिल अजीज क्रिकेटर बन चुके थे, तब 16 वर्ष की नौरीन के साथ उनका निकाह हुआ। उस दौर में अजहर को एक आदर्श बेटे, वफादार पति और स्नेहिल पिता की मिसाल माना जाता था। नौरीन ने अजहर के घर-परिवार और दो बेटों की जिम्मेदारी बेहद सादगी और समर्पण से संभाली। जून 1995 में दिए एक इंटरव्यू में अजहर ने कहा था कि उनका निकाह उनके जीवन का सबसे यादगार पल है और वे दोनों बेहद खुश हैं। लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था; इस इंटरव्यू के महज एक साल के भीतर 9 साल पुराना यह मजबूत रिश्ता दरकने लगा, जिसने अजहर की जिंदगी को एक नया मोड़ दिया।

अजहर की जिंदगी में बालीवुड की प्रसिद्ध माडल और अभिनेत्री संगीता बिजलानी की एंट्री हुई। एक विज्ञापन की शूटिंग के दौरान शुरू हुई यह नजदीकी जल्द ही 90 के दशक के सबसे बड़े अफेयर में बदल गई, जिसने मीडिया का ध्यान अपनी ओर खींचा। संगीता के प्यार में गिरफ्तार अजहर ने हैदराबाद जाना तक कम कर दिया। 1996 के इंग्लैंड दौरे पर जब अजहर संगीता को अपने साथ ले गए और शादी का दबाव बढ़ा, तो अजहर ने नौरीन को तलाक दे दिया। हालांकि, अजहर के माता-पिता अंत तक नौरीन के साथ खड़े रहे, लेकिन नौरीन के ख्वाब चूर-चूर हो चुके थे। 14 नवंबर 1996 को मुंबई के खार में गुपचुप तरीके से रजिस्ट्रार को घर पर बुलाकर दोनों का निकाह हुआ। शादी से ठीक पहले संगीता आयशा बेगम बनीं। हालांकि, ग्लैमर और इश्क के इस रिश्ते की उम्र भी लंबी नहीं रही।

अजहर और संगीता के रिश्ते में अंतिम दरार तब आई, जब अजहर का नाम भारतीय बैडमिंटन स्टार ज्वाला गट्टा के साथ जुड़ने लगा। हालांकि अजहर और ज्वाला दोनों ने ही इन खबरों को अफवाह बताया और इसे केवल एक जान-पहचान और मदद का नाम दिया, लेकिन संगीता को यह स्थिति मंजूर नहीं थी। वर्ष 2009 के लोकसभा चुनाव में संगीता ने मुरादाबाद जाकर अजहर के लिए चुनाव प्रचार भी किया था, लेकिन अंदरूनी मनमुटाव बढ़ता गया।

न्यूज ब्रीफ

तिलक टी20 में सातवें सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बने, धोनी और रैना को पीछे छोड़ा

हरारे। मध्यक्रम के भरोसेमंद बल्लेबाज तिलक वर्मा ने मेजबान जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे टी20 क्रिकेट मैच में

अर्धशतक लगाने के साथ ही एक बड़ी उपलब्धि भी अपने नाम दर्ज की है। तिलक की इस पारी से भारतीय टीम सीरीज में 90 रनों से जीत हासिल करने में सफल रही। तिलक ने अपनी इस पारी से पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी और सुरेश रैना के रिकार्ड भी तोड़ दिये। इस ऐतिहासिक उपलब्धि के साथ ही तिलक अब टी20 अंतरराष्ट्रीय में भारतीय टीम की ओर से सातवें सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे टी20 में तिलक ने 29 गेंदों में 5 चौकों और 3 छक्कों की सहायता से नाबाद 60 रन बनाये। इससे अब उनके टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर के 58 मैचों की 55 पारियों में कुल 1634 रन हो गये हैं। इस दौरान उनका औसत 44.16 रन रहा जबकि स्ट्राइक रेट 145.37 का रहा है। इससे तिलक की आक्रामक बल्लेबाजी का अंदाजा लगाया जा सकता है। तिलक के नाम दो शतक और नौ अर्धशतक हैं और उनका सबसे अधिक स्कोर नाबाद 120 रन है। इस तरह उन्होंने धोनी और रैना के साथ ही ईशान किशन को भी पीछे छोड़ दिया है। पूर्व कप्तान धोनी ने अपने करियर में 98 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 37.60 की औसत और 126.13 के स्ट्राइक रेट से 1617 रन बनाए थे, जिसमें उनके दो अर्धशतक शामिल थे। वहीं रैना ने भारतीय टीम के लिए 78 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 29.18 की औसत और 134.87 के स्ट्राइक रेट से 1605 रन बनाए थे। रैना के नाम शतक और पांच अर्धशतक भी हैं। गौरतलब है कि टी20 अंतरराष्ट्रीय में भारतीय टीम के लिए सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में, कप्तान रोहित शर्मा 4231 रनों के साथ नंबर एक हैं। वहीं विराट कोहली 4188 रनों के साथ दूसरे स्थान पर काबिज हैं। इन दोनों ने ही टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। वहीं सक्रिय खिलाड़ियों की बात करें तो पूर्व कप्तान सूर्यकुमार यादव 3272 रनों के साथ तीसरे पायदान पर हैं।

कामनवेल्थ गेम्स: पुतुल सोनोवाल की अजेय लय टूटी, मलेशिया के इज्जत जुल्केपले से हारे

ग्लासगो। भारत के पुतुल सोनोवाल को कामनवेल्थ गेम्स 2026 की पुरुष एकल लान बाल्स स्पर्धा में

पहली हार का सामना करना पड़ा। शनिवार को सेक्शन-डी के महत्वपूर्ण मुकाबले में मलेशिया के इज्जत शमीर जुल्केपले ने उन्हें सीधे सेटों में 8-4, 9-8 से हराकर उनकी सेमीफाइनल की राह कठिन बना दी। इस हार के साथ ग्लासगो में सोनोवाल का अजेय अभियान समाप्त हो गया। प्रतियोगिता के नियमों के अनुसार प्रत्येक सेक्शन से केवल शीर्ष खिलाड़ी ही सेमीफाइनल में पहुंचता है, ऐसे में उपविजेता के लिए अगले दौर में जगह नहीं है। तीन मैचों में लगातार तीसरी जीत दर्ज करने वाले जुल्केपले नौ अंक और +18 शाट अंतर के साथ सेक्शन-डी में शीर्ष पर बने हुए हैं। वहीं, सोनोवाल दो जीत और एक हार के साथ छह अंक तथा -8 शाट अंतर के साथ दूसरे स्थान पर हैं। मुकाबले में मलेशियाई खिलाड़ी ने शुरुआत से ही बढ़त बना ली और पहला सेट 8-4 से अपने नाम किया। दूसरे सेट में भी सोनोवाल शुरुआती दौर में पिछड़ गए। हालांकि, उन्होंने शानदार वापसी करते हुए मुकाबले को रोमांचक बना दिया, लेकिन निर्णायक क्षणों में जुल्केपले ने संयम बनाए रखते हुए 9-8 से सेट और मैच जीत लिया।

ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों के उद्घाटन समारोह की पीटी उषा ने की सराहना, कहा- भारत जीतेगा कई पदक

ग्लासगो। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने ग्लासगो 2026 राष्ट्रमंडल खेलों के उद्घाटन समारोह की सराहना करते हुए कहा कि आयोजन समिति ने सभी खिलाड़ियों का सम्मानपूर्वक स्वागत किया और प्रतियोगिता की शानदार शुरुआत सुनिश्चित की। उन्होंने विश्वास जताया कि भारतीय दल इस बार विभिन्न खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अच्छी संख्या में पदक जीतेगा। पीटी उषा ने कहा कि उद्घाटन समारोह का आयोजन बेहद प्रभावशाली रहा और खिलाड़ियों को जिस सम्मान के साथ मंच प्रदान किया गया, वह सभी प्रतिभागियों के लिए यादगार अनुभव रहा। उन्होंने ग्लासगो आयोजन समिति की तैयारियों और मेहमाननवाजी की प्रशंसा करते हुए कहा कि इससे खिलाड़ियों में सकारात्मक ऊर्जा का संचार हुआ है।

एफआईएच यूथ हाकी5एस एशियाई चैंपियनशिप : पाक को 3-1 से हराकर भारत बना चैंपियन , महिला टीम ने जीता रजत

मस्कट (ओमान)

भारतीय सब-जूनियर पुरुष हाकी टीम ने एफआईएच यूथ हाकी5एस एशियाई चैंपियनशिप 2026 का खिताब जीत लिया। फाइनल में भारत ने चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 3-1 से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

वहीं, भारतीय सब-जूनियर महिला टीम ने फाइनल में चीन से संघर्षपूर्ण मुकाबले में हारने के बावजूद रजत पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ाया।

फाइनल मुकाबले में भारतीय टीम ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। पहले हाफ के पांचवें मिनट में रोमित पाल ने गोल कर भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। दूसरे हाफ में कप्तान केतन कुशवाहा ने 12वें मिनट में गोल कर बढ़त दोगुनी कर दी। इसके एक मिनट बाद ही शाहरुख अली ने गोल दागकर स्कोर 3-0 कर दिया।

पाकिस्तान की ओर से मुहम्मद उस्मान ने 16वें मिनट में एक गोल कर वापसी की कोशिश की, लेकिन भारतीय रक्षा पंक्ति ने शानदार खेल दिखाते हुए पाकिस्तान को कोई और मौका नहीं दिया और 3-1 से जीत दर्ज कर खिताब अपने नाम कर लिया।

भारतीय पुरुष टीम ने पूरे टूर्नामेंट में अपराजित रहते हुए शानदार प्रदर्शन किया। टीम एलीट पूल में शीर्ष पर रही और फिर फाइनल जीतकर एशियाई चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया।

फाइनल में पहुंचने के साथ ही भारत और पाकिस्तान दोनों ने उद्घाटन एफआईएच यूथ हाकी5एस विश्व कप के लिए भी क्वालीफाई कर लिया है।

महिला वर्ग में भारतीय सब-जूनियर टीम ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल तक का सफर तय किया। हालांकि खिताबी मुकाबले में चीन से हार का सामना करना पड़ा, लेकिन टीम ने रजत पदक जीतकर भारत की झोली में एक और उपलब्धि जोड़ दी।

हाकी इंडिया ने नकद पुरस्कार की घोषणा की - दोनों टीमों के शानदार प्रदर्शन से उत्साहित हाकी इंडिया ने खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के लिए नकद पुरस्कार की घोषणा की है। स्वर्ण पदक जीतने वाली पुरुष टीम के प्रत्येक खिलाड़ी को 2 लाख रुपये, जबकि सहयोगी स्टाफ के प्रत्येक सदस्य को 1 लाख रुपये दिए जाएंगे। वहीं, रजत पदक जीतने वाली महिला टीम की प्रत्येक खिलाड़ी को 1 लाख रुपये और सहयोगी स्टाफ के प्रत्येक सदस्य को 50 हजार रुपये का पुरस्कार मिलेगा।

अनाहत ने रचा इतिहास, जूनियर स्क्वैश विश्व चैंपियन जीतने वाली पहली भारतीय बनी

ओटावा

भारत की 18 साल की अनाहत सिंह ने कनाडा के नियाग्रा-आन-द-लेक में आयोजित विश्व स्क्वैश जूनियर चैंपियनशिप 2026 में खिताबी जीत के साथ ही इतिहास रच दिया है। अनाहन ने लड़कियों के एकल मुकाबले के फाइनल में मिस्र की रुकैया सलेम को सीधे गेमों में 3-0 (11-3, 11-7, 11-7) से हराकर खिताब जीता। इसी के साथ ही मिस्र की खिलाड़ियों का एक दशक से अधिक समय से जारी जीत का सिलसिला टूटा गया है। अनाहत यह प्रतिष्ठित खिताब जीतने वाली पहली भारतीय स्क्वैश खिलाड़ी बन गई हैं, जिससे भारतीय खेल जगत में उत्साह की लहर है। इस टूर्नामेंट में भारत की नंबर 1 खिलाड़ी अनाहत ने दूसरी वरीयता प्राप्त मिस्र की सलेम को फाइनल में कोई अवसर नहीं दिया। इसी के साथ ही अनाहत ने साल 2005 में जोशना चिनप्पा द्वारा बनाए गए उपविजेता के रिकार्ड को भी तोड़ दिया। पिछले दो दशकों से अधिक समय से जोशन कही फाइनल में पहुंची थी पर वहां उन्हें हार का सामना करना पड़ा था।

विश्व मे 20 वीं वरीयता प्राप्त अनाहत ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए विरोध खिलाड़ी को कोई अवसर नहीं दिय। उन्होंने पूरे सप्ताह अपनी असाधारण फार्म जारी रखी और कुल छह मैचों में केवल दो सेट ही खोये। टूर्नामेंट के शुरुआती तीन मैचों में तो वह बिना कोई सेट हारे सीधे जीत दर्ज करने में सफल रहीं।

अनाहत ने अपने अभियान की शुरुआत आस्ट्रेलिया की क्वालीफायर लिली विल्सन को 3-0 से हराकर की थी। इसके बाद उन्होंने हांगकांग चीन की पुई यिन क्लोई लो और मलेशिया की डायस ये सैन ली को हराकर क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की की। इस भारतीय खिलाड़ी ने लगातार तीन मिस्र की खिलाड़ियों को हराकर उनका दबदबा समाप्त कर दिया। अनाहत ने क्वार्टर फाइनल में हबीबा रिज़क को 3-1 से जबकि सेमीफाइनल में बारब सामेह को 3-1 (11-3, 8-11, 11-4, 11-6) से हराया और अंत में सलेम को हराकर फाइनल जीता। लड़कियों के एकल में अनाहत ही फाइनल तक पहुंचीं, जबकि रुद्र सिंह, अनिका दुबे और सान्वी कलंकी तीनों राउंड आफ 32 में ही बाहर हो गईं। दूसरी ओर लड़कों के एकल में आर्यवीर दीवान राउंड आफ 16 में पहुंच गये हैं।

श्रीलंका दौरे से पहले कोलंबो में चार दिवसीय अभ्यास मैच खेलेगी भारतीय टीम

नई दिल्ली। भारत और श्रीलंका के बीच 15 अगस्त से शुरू होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले भारतीय टीम कोलंबो में चार दिवसीय अभ्यास मैच खेलेगी। शुभमन गिल की कप्तानी में टीम इंडिया 4 अगस्त को श्रीलंका पहुंचेगी और मुख्य सीरीज से पहले स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप खुद को तैयार करने के लिए अभ्यास सत्रों के साथ एक वॉर्म-अप मैच भी खेलेगी। यह मुकाबला 7 से 10 अगस्त तक कोलंबो स्थित नॉनडेस्क्रिप्ट्स क्रिकेट क्लब (एनसीसी) मैदान पर आयोजित किया जाएगा। सूत्रों के अनुसार, अभ्यास मैच का उद्देश्य खिलाड़ियों को श्रीलंका की पिचों और मौसम के अनुरूप ढलने का पर्याप्त अवसर देना है। चार दिवसीय मुकाबले के दौरान टीम प्रबंधन खिलाड़ियों के संयोजन और तैयारियों का भी आकलन करेगा, ताकि टेस्ट सीरीज के लिए सर्वश्रेष्ठ अंतिम एकादश का चयन किया जा सके। विदेशी दौरों पर इस तरह के अभ्यास मैच खिलाड़ियों को मैच परिस्थितियों में खुद को परखने का मौका देते हैं और लंबे प्रारूप के लिए लय हासिल करने में मददगार साबित होते हैं। अभ्यास मैच समाप्त होने के बाद भारतीय टीम गॉल रवाना होगी, जहां टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला 15 से 19 अगस्त तक गॉल इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। इसके बाद दूसरा और अंतिम टेस्ट 23 से 27 अगस्त तक कोलंबो के सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब मैदान पर होगा।

भारतीय क्रिकेट का सुनहरा भविष्य: अभिषेक तिलक और सूर्यांश जैसे हरफनमौला पर फोकस

नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम भविष्य के लिए एक मजबूत और बहुमुखी टीम बनाने की दिशा में सक्रिय रूप से काम कर रही है, जिसमें युवा और प्रतिभावान हरफनमौला खिलाड़ियों को तराशने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। हाल ही में भारतीय टीम के गेंदबाजी कोच सुनील जोशी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा और उभरते हुए हरफनमौला सूर्यांश शेडगे जैसे खिलाड़ियों को टीम इंडिया के लिए बहुमूल्य अतिरिक्त विकल्प के रूप में विकसित किया जा रहा है। यह रणनीति टीम को अधिक संतुलन और गहराई प्रदान करने के उद्देश्य से बनाई गई है।

जब सुनील जोशी से यह सवाल पूछा गया कि क्या अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा और वैभव सूर्यवंशी जैसे युवा खिलाड़ियों को भविष्य में कामचलाऊ गेंदबाज के रूप में उपयोग करने की योजना है, तो उन्होंने सकारात्मक जवाब दिया। जोशी ने स्पष्ट रूप से कहा, तीनों अच्छे गेंदबाज और आलराउंडर हैं। उन्होंने विशेष रूप से अभिषेक शर्मा की गेंदबाजी में आए उल्लेखनीय सुधार की सराहना की। जोशी ने बताया कि अभिषेक ने अपनी गेंदबाजी में काफी सुधार किया है और कोच हमेशा चाहते हैं कि वह हर बार और बेहतर प्रदर्शन करें। यह दर्शाता है कि टीम मैनेजमेंट इन खिलाड़ियों की केवल बल्लेबाजी क्षमता पर ही नहीं, बल्कि उनकी संपूर्ण खेल क्षमताओं पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।

तिलक वर्मा के बारे में बात करते हुए, सुनील जोशी ने पुष्टि की कि तिलक भी भारतीय टीम के लिए एक अतिरिक्त गेंदबाजी विकल्प हैं। टीम प्रबंधन उनसे लगातार इस बात पर चर्चा करता है कि वे कैसे कम से कम रन दें और अधिक से अधिक डाट गेंदें डाल सकें। यह रणनीति इन युवा प्रतिभाओं को केवल बल्लेबाजी तक सीमित न रखकर, उन्हें एक संपूर्ण पैकेज के रूप में विकसित करने की ओर इशारा करती है, जो दबाव की स्थिति में भी टीम के लिए अपनी गेंदबाजी से योगदान दे सकें।

जोशी ने हर्ष दुबे के प्रदर्शन की भी सराहना की, जिन्होंने भी हाल ही में अच्छा प्रदर्शन किया है। इसके अलावा, हरफनमौला खिलाड़ी सूर्यांश शेडगे को लेकर भी भारतीय टीम को काफी उम्मीदें हैं। जोशी ने कहा कि सूर्यांश एक प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं और उन्हें टीम में अपनी जगह मजबूत करने के लिए पर्याप्त समय मिलना चाहिए ताकि वह अपनी पूरी क्षमता का प्रदर्शन कर सकें। उन्होंने आगे कहा, सूर्यांश भारतीय टीम में अपनी जगह बना रहे हैं। हार्दिक पंड्या ने अपनी जगह बनाई है, शिवम दुबे ने भी बनाई है। सूर्यांश एक उभरती हुई प्रतिभा हैं और हमें उनके साथ निरंतर बने रहना होगा। यह बयान सूर्यांश के उज्ज्वल भविष्य और टीम प्रबंधन के उन पर विश्वास को दर्शाता है। भारतीय क्रिकेट की यह रणनीति साफ तौर पर दर्शाती है कि टीम केवल तात्कालिक जीत पर ही ध्यान केंद्रित नहीं कर रही है, बल्कि वह भविष्य के लिए एक मजबूत और बहुमुखी टीम तैयार करने में लगी है, जहां हरफनमौला खिलाड़ियों की अहम भूमिका होगी।

देहरादून टी-20 लीग के लिए खिलाड़ी ट्रायल संपन्न, 650 खिलाड़ियों ने कराया पंजीकरण

देहरादून

उत्तराखंड क्रिकेट एसोसिएशन (सीएयू) द्वारा अनुमोदित देहरादून टी-20 लीग 2026 के आधिकारिक खिलाड़ी चयन ट्रायल का आयोजन देहरादून के नथुवावाला स्थित कीमतीलाल शर्मा क्रिकेट ग्राउंड में संपन्न हुआ। लीग के लिए कुल 650 खिलाड़ियों ने प्लेयर ड्राफ्ट के लिए अपना पंजीकरण कराया, जिनमें से 350 से अधिक खिलाड़ियों ने ट्रायल में भाग लेकर अपनी प्रतिभा और खेल कौशल का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

देहरादून टी-20 लीग 2026 का आयोजन 2 से 9 सितंबर तक देहरादून के अभिमन्यु क्रिकेट अकादमी में किया जाएगा। टूर्नामेंट में कुल 18 मुकाबले खेले जाएंगे, जिनमें 15 लीग मैच, सेमीफाइनल और फाइनल शामिल होंगे।

शनिवार को लीग के लिए खिलाड़ियों का मूल्यांकन चयन समिति के सदस्य धीरनराज शर्मा एवं शिवम खिराना द्वारा किया गया। ट्रायल के आधार पर चयनित खिलाड़ियों को आगामी

आधिकारिक प्लेयर ड्राफ्ट में शामिल किया जाएगा, जहाँ लीग की छह फ्रेंचाइजी टीमें अपने-अपने खिलाड़ियों का चयन करेंगी।

सीएयू के मुख्य संरक्षक पी.सी. वर्मा ने कहा कि देहरादून टी-20 लीग युवा क्रिकेट प्रतिभाओं की पहचान और उन्हें आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण एवं सराहनीय पहल है। इस प्रकार की प्रतियोगिताएं उत्तराखंड में क्रिकेट की मजबूत नींव तैयार करने के साथ-साथ खिलाड़ियों को उच्च स्तर पर अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करती हैं।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के पूर्व उपाध्यक्ष एवं क्रिकेट एसोसिएशन आफ उत्तराखंड के पूर्व सचिव महिम वर्मा ने कहा कि देहरादून टी-20 लीग राज्य में क्रिकेट के विकास की दिशा में एक दूरदर्शी पहल है। यह प्रतियोगिता उभरते खिलाड़ियों को महत्वपूर्ण अवसर और अनुभव प्रदान करेगी तथा उन्हें उच्च स्तरीय क्रिकेट तक पहुंचने का सशक्त मंच उपलब्ध कराएगी।

क्रिकेट एसोसिएशन आफ दून के सचिव पीयूष कुमार रघुवंशी ने कहा कि देहरादून टी-20 लीग के ट्रायल में खिलाड़ियों की शानदार भागीदारी उत्तराखंड में क्रिकेट के प्रति बढ़ते उत्साह का प्रमाण है। क्रिकेट एसोसिएशन आफ दून प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को निष्पक्ष एवं पेशेवर मंच उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। हमें विश्वास है कि यह लीग उत्तराखंड में क्रिकेट विकास की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी।

देहरादून टी-20 लीग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी नवनीत मिश्रा ने कहा कि 650 खिलाड़ियों का पंजीकरण और ट्रायल में 350 से अधिक खिलाड़ियों की भागीदारी उत्तराखंड में क्रिकेट के प्रति बढ़ते जुनून को दर्शाती है। हमारा उद्देश्य प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को एक पेशेवर मंच प्रदान करना है, जिससे वे अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर राष्ट्रीय स्तर तक पहुँचने का अवसर प्राप्त कर सकें।